शासकीय घनश्याम सिंह गुप्त स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बालोद (छ.ग.)

राष्ट्रीय शोध-संगोष्ठी

"मानव अधिकार : स्थिति एवं विश्लेषण"

(Human Rights : Position and Analysis)

दिनांक 14 एवं 15 फरवरी 2020

पंजीयन प्रपत्र

आयोजक-विधि विभाग, शासकीय घनश्याम सिंह गुप्त स्नातकोत्तर महाविद्यालय बालोद

1. नाम .....
2. पद .....
3. संस्था .....
4. विषय .....
5. पता .....
   .....
6. मोबा. नंबर .....
7. ई-मेल आई डी .....
8. शोध पत्र/आलेख का शीर्षक .....
9. पंजीयन शुल्क .....
10. नगद/ड्राप्ट नं./चेक नं. .....
11. बैंक खाता नं.-5206101000381
    बैंक का नाम - केनरा बैंक बालोद
    IFSC Code - CNRB0005206

नोट :- उपर लिखे बैंक एकाउंट में सीधे RTGS कर सकते है ।

दिनांक

हस्ताक्षर

आमंत्रण

शासकीय घनश्याम सिंह गुप्त स्नातकोत्तर महाविद्यालय बालोद (छ.ग.)
(नैक द्वारा मूल्यांकित c+)
(HumanRights : Position and Analysis)

प्रति,
प्रो. / डॉ. .....
.....

प्रेषक :-
डॉ. कोमल सिंह शार्वा
प्राचार्य / संरक्षक
शासकीय घनश्याम सिंह गुप्त
स्नातकोत्तर महाविद्यालय बालोद

शासकीय घनश्याम सिंह गुप्त स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बालोद (छ.ग.)

राष्ट्रीय शोध-संगोष्ठी

"मानव अधिकार : स्थिति एवं विश्लेषण"

(Human Rights : Position and Analysis)

प्रायोजकः राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान, छ.ग.शासन
उच्च शिक्षा विभाग, रायपुर

दिनांक : 14 एवं 15 फरवरी 2020

प्राचार्य/संरक्षक
डॉ. कोमल सिंह शार्वा
शासकीय घनश्याम सिंह गुप्त स्नातकोत्तर महाविद्यालय बालोद
मो.-9406033912

संयोजक
डॉ.ज्योतिस कुमार खलखो
विभागाध्यक्ष
(समाज शास्त्र)
9425475858

सचिव
डॉ. राघवेश पाण्डेय
विभागाध्यक्ष
(विधि संकाय)
9754428238

सह-सचिव
प्रो. चन्द्रउदय दास मानिकपुरी
विभागाध्यक्ष (गणित)
मो.-9098045935

शासकीय घनश्याम सिंह गुप्त स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बालोद (छ.ग.)

महोदय/महोदया,

अत्यंत हर्ष का विषय है कि शासकीय घनश्याम सिंह गुप्त स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बालोद (छ. ग.) के विधि विभाग द्वारा दिनांक 14 एवं 15 फरवरी 2020 को रूसा के सहयोग से "मानव अधिकार : स्थिति एवं विश्लेषण" विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। हमें पूर्ण विश्वास है कि आप इस संगोष्ठी में उपस्थित होकर सक्रिय सहयोग प्रदान करेंगे।

छत्तीसगढ़ राज्य के नवगठित जिला बालोद का उच्च शिक्षा के क्षेत्र में गौरवशाली इतिहास रहा है। शिक्षा और संस्कारों की नगरी बालोद में उच्च शिक्षा के प्रथम पायदान के रूप में शासकीय विज्ञान, कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय बालोद की स्थापना 15 अगस्त 1983 को की गई। वर्तमान में इस महाविद्यालय को शासकीय घनश्याम सिंह गुप्त स्नातकोत्तर महाविद्यालय बालोद के नाम से जाना जाता है। निरन्तर प्रगति के अनेक सोपान पार करते हुए वर्तमान सत्र में 3010 छात्र–छात्राएं इस महाविद्यालय में अध्ययनरत हैं।

महाविद्यालय में वर्ष 1995–96 में विधि की कक्षाएं भी प्रारंभ की गई। सत्र 2008 में महाविद्यालय को छ. ग. शासन द्वारा स्नातकोत्तर महाविद्यालय का दर्जा प्रदान किया गया।

विषय का महत्व

भारत के संविधान में मानव अधिकारों को मूल अधिकारो के रूप में वर्णित किया गया है, जिसको सरकार द्वारा न तो छीना जा सकता है और न ही कम किया जा सकता है। यह चिंता का विषय है कि आज कल भारतीय संविधान की मूल भावना के विरूद्ध कार्य हो रहे है और मानवीय अधिकारो पर निरंतर हस्तक्षेप हो रहा हैं। मुख्य रूप से महिलाओं, दलितों, निःशक्तजनों , बच्चों के प्रति होने वाले अपराधों में निरंतर वृद्धि हो रही है तथा उनके मानव अधिकारों का हनन किया जा रहा है।

इसलिए यह विषय वर्तमान समय का एक ज्वलंत एवं विचारणीय विषय है, जिस पर विचार किया जाना प्रासंगिक एवं आवश्यक है।

प्रस्तावित चिंतन बिन्दु

1. मानव अधिकार एवं महिलाएं
2. मानव अधिकार और तृतीय लिंग के अधिकार
3. मानव अधिकार एवं आतंकवाद
4. मानव अधिकान और निःशक्तजन
5. मानव अधिकार एवं लिंग संवेदीकरण (जेन्डर सेंसेटाइजेषन)
6. अनु. 21 और मानव अधिकार
7. मानवाअधिकार और बच्चे
8. मानवाधिकार की रक्षा में मानवाधिकार संगठनों की भूमिका

शोध पत्र/शोध संक्षेपिका आमंत्रण

निर्धारित विषय एवं सहायक बिन्दुओं पर शोध पत्र आमंत्रित है । इच्छूक प्रतिभागियों से आग्रह है कि वे अपना शोध पत्र/अधिकतम 2500 शब्दों में तथा शोध संक्षेपिका 250–300 शब्दों में दिनांक 4 फरवरी 2020 तक उपलब्ध करावें ।

अंग्रेजी भाषा :– MS Word document
A4 Size
in Times New Roman
Font Size12with 1.5 Line Space

हिन्दी भाषा :– MS Word document
A4 Size
in Kruti Dev 010
Font Size12-14with 1.5 Line Space

शोधपत्र की हार्ड कापी के साथ सी.डी. भी भेजें ।
शोध पत्र – Email& govtcollbalod@gmail
पर भेजा जा सकता है ।
विशेष :– संगोष्ठी में प्राप्त स्तरीय शोध पत्रों का चयन कर ISBN के साथ पत्रिका पुस्तक के रूप में प्रकाशित किया जायेगा । इच्छुक प्रतिभागी इसके लिये अलग से रू. 1000/– भेजें ।

आवास एवं यात्रा :– प्रतिभागियों को यात्रा भत्ता नहीं दिया जायेगा तथा आवास की व्यवस्था 14 फरवरी 2020 के लिये रहेगी ।

पंजीयन शुल्क

1. प्राध्यापक – 1000.00
2. अतिथि प्राध्यापक/शोधार्थी – 500.00
3. स्नातकोत्तर छात्र/छात्राएं – 300.00

आयोजन स्थल का महत्व :– छ.ग. के इतिहास में बालोद जिला का अपना अलग महत्व है । यहाँ सन् 1921 में निर्मित तान्दुला जलाशय है । 10 जनवरी 2012 को बालोद को जिला का दर्जा मिला । बालोद जिले में स्थित दल्लीराजहरा से लौह अयस्क की आपूर्ती भिलाई इस्पात संयंत्र को की जाती है । बालोद में पुरातात्विक महत्व के कपिलेश्वर मंदिर व बावड़ी, गणेश मंदिर सहित जिले के करकाभाट में महापाषाण कालीन स्मारक, झलमला का गंगा मैया मंदिर, सियादाई का मंदिर, रानीमाई मंदिर, महामाया मंदिर महामाया, हनुमान मंदिर जगन्नाथपुर, कुकुरदेव मंदिर मालीघोरी, बूढ़ा सागर स्थित संग्रहालय,जामड़ीपाट आश्रम (जमदग्नि ऋषि का तपस्या स्थल)तथा चिरचारी का बहादुर कलारिन की माची इत्यादि ऐतिहासिक महत्व के दर्शनीय स्थल है । इसके साथ ही बालोद जिले में ओना–कोना ग्राम के पास पिकनिक स्थल अत्यंत मनोरम है । जिले में अधिकांश भाग वन से आच्छादित है । शासकीय घनश्याम सिंह गुप्त स्नात्कोत्तर महाविद्यालय बालोद, मुंबई –हावड़ा रेल मार्ग पर दुर्ग रेल्वे स्टेशन से 60 किमी. तथा छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर से 100 किमी की दूरी पर स्थित है । यहां रेल एवं बस मार्ग द्वारा सरलता से पंहुचा जा सकता है ।

सलाहकार

1. श्रीमती शारदा वर्मा (आई. ए. एस.), आयुक्त उच्च शिक्षा/ राज्य परियोजना अधिकारी (रूसा) छ.ग.
2. डॉ. पी.सी. चौबे –क्षेत्रीय अतिरिक्त संचालक रायपुर एवं रूसा प्रभारी उच्च शिक्षा विभाग छ.ग.

आयोजन समिति

1. प्रो. डी. आर. बैद्य (संयोजक) – 9407759989
2. प्रो. सी.डी. मानिकपुरी – 9098045935
3. डॉ. राघवेश पाण्डेय – 9754428238
4. प्रो. जे. आर. नायक – 8889743308
5. डॉ. वन्दना धन्डोरे – 9826361082